सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 184 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 9 अगस्त, 2023

यदि हमारे मन में शांति नहीं है तो इसकी वजह है कि हम यह भूल चुके हैं कि हम एक दूसरे के हैं।

–मदर टेरेसा

सूर्यकुमार ने विराट व रोहित को... 7 | कमलनाथ दे रहे मप्र में बीजेपी... 3 | यूपी में स्टेट एडवेंचर घोषित हो... 2

राहुल गांधी के भाषण ने आज तहलका मचा दिया संसद में

प्रधानमंत्री पर सबसे बड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर में हुई भारत माता की हत्या, देशद्रोही है भाजपा

मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में बोले

नई दिल्ली। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए लोकसभा में राहुल गांधी ने जमकर भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने संसद में वापस लाने के लिए धन्यवाद भी किया, साथ ही वह प्रधानमंत्री पर मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर भी खूब बरसे। राहुल गांधी ने कहा कि आज मैं दिमाग से नहीं, दिल से बोलना चाह रहा हूं, आज मैं एक-दो गोले ज़रूर दागूंगा, ज्यादा नहीं...आप लोग रिलैक्स कर सकते हैं।

इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि कुछ दिन पहले मैं मणिपुर गया था। हमारे प्रधानमंत्री आज तक (मणिपुर) नहीं गए, क्योंकि उनके लिए मणिपुर हिन्दुस्तान नहीं है, मैं जब मणिपुर गया, तो महिलाओं से पूछा क्या हुआ, तो बताई मेरे छोटे से बच्चे को गोली मारी है, मैं पूरी रात उसके लाश के साथ लेटी रही, डर लगा घर छोड़ दिया, साथ लेकर कुछ नहीं आई, दूसरे कैम्प में एक और महिला से पूछा- क्या हुआ तुम्हारे साथ, वैसे ही वह कांपने लगी और बेहोश हो गई, यह सिर्फ दो उदाहरण हैं, मणिपुर में हिंदुस्तान को मारा है, इनकी राजनीति ने कत्ल किया है। आपने मणिपुर के लोगों को मारकर भारत की हत्या की है। आप देशद्रोही हो... आप देशभक्त नहीं हैं...। इसके साथ ही राहुल गांधी ने भाजपा पर कटाक्ष किया। जब मैंने पिछली बार बात की थी, तो शायद मैंने आपको परेशानी दी थी क्योंकि मैंने अडानी पर ध्यान केंद्रित किया था। शायद आपके वरिष्ठ नेता को दुख हुआ। उस दर्द का असर आप पर भी हुआ होगा। इसके लिए मैं आपसे माफी मांगता हूं।

भारत जोड़ो यात्रा से मिली शक्ति

भारत जोड़ो यात्रा के बाद बहुत सारे लोगों ने मुझसे पूछा कि मैं क्यों चल रहा हूं। कन्याकुमारी से कश्मीर तक क्यों चल रहे हैं, शुरुआत में मैं इन सवालों का जवाब नहीं दे पा रहा था, मुझे लगता था कि मैं लोगों को समझना चाहता हूं, इसलिए चल रहा हूं, कुछ समय बाद में मुझे गहराई से समझ में आया कि जिस चीज से मुझे प्यार था, जिस चीज के लिए मैं मरने के लिए तैयार था, गालियां खाई, उस चीज को मैं समझना चाहता था। लोकसभा में अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्रकरते हुए राहुल गांधी ने कहा मैं शुरुआत से हर सोच 8-10 किलोमीटर दौड़ता हूं, तो 25 किलोमीटर चलने में क्या दिक्कत होगी, लेकिन कुछ दिन चलने के बाद मेरे पांव में दर्द शुरू हो गया। इसके बाद मुझे एक छोटी बच्ची से शक्ति मिली।

लोस अध्यक्ष को दिया धन्यवाद

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, कि अध्यक्ष महोदय सबसे पहले मैं आपको मुझे लोकसभा के सांसद के रूप में बहाल करने के लिए धन्यवाद करना चाहता हूं। जब मैंने पिछली बार बात की थी तो शायद मैंने आपको परेशानी दी थी क्योंकि मैंने अडानी पर ध्यान केंद्रित किया था, शायद आपके वरिष्ठ नेता को दुख हुआ... उस दर्द का असर आप पर भी हुआ होगा। इसके लिए मैं आपसे माफी मांगता हूं लेकिन मैंने सच बोला। आज भाजपा के मेरे दोस्तों को डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज मेरा भाषण अडानी पर केंद्रित नहीं है।

रावण दो लोगों की सुनता था

राहुल ने भाषण की शुरुआत ही अडानी के मुद्दे से की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री केवल दो लोगों की ही बात सुनते हैं। उन्होंने रावण के अहंकार का उदाहरण देते हुए कहा, आप पूरे देश में केरोसीन भेज रहे हो, मणिपुर में केरोसीन भेजी, चिंगारी से आग लगा दी, अब हरियाणा में कर रहे हो, पूरे देश में आग लगाना चाहते हो...। राहुल के भाषण के दौरान काफी हंगामा हुआ। बीजेपी सांसदों ने राहुल से माफी मांगने को कहा। नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान की आवाज नहीं सुनते हैं... दो लोगों की आवाज सुनते हैं। किसकी आवाज सुनते हैं। देख लीजिए, अडानी जी के लिए मोदी जी ने क्या काम किया है। रावण दो लोगों की सुनता था। मेघनाद और कुंभकर्ण। वैसे ही नरेंद्र मोदी दो लोगों की सुनते हैं। अमित शाह और अडानी।

मणिपुर देश का अभिन्न अंग है और वह रहेगा : ईरानी

संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। स्मृति ईरानी ने कहा कि पहली बार राष्ट्र के इतिहास में भारत मां की हत्या की बात हुई, और कांग्रेस पार्टी ने तालियां बजाईं,लेकिन मैं कहना चाहती हूं कि मणिपुर खंडित नहीं है, कांग्रेस के एक नेता ने वहां रेफरेंडम की बात की, उसका पहले खंडन करे,मणिपुर देश का अभिन्न अंग है, और वह रहेगा। ईरानी ने कहा आपके सहयोगी दल के नेता ने तमिलनाडु में कहा- भारत का मतलब मात्र उत्तर भारत है, राहुल गांधी में हिम्मत है, तो डीएमके के अपने साथी का खंडन करके बताए, कांग्रेस के एक नेता ने कश्मीर में उसका आप खंडन क्यों नहीं करते, जो कश्मीर को भारत से अलग करने की बात करता है? भाजपा सांसद स्मृति ईरानी ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा, आप भारत नहीं है, क्योंकि भारत भ्रष्ट नहीं है, भारत वंशवाद में नहीं योग्यता में विश्वास करता है और आज आप जैसे लोगों को यह याद रखने की जरूरत है कि अंग्रेजों से क्या कहा गया था, भारत छोड़ो, भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, वंशवाद भारत छोड़ो, योग्यता को अब भारत में जगह मिली है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर तंज कसते हुए स्मृति ईरानी ने कहा, मैं जोड़ों के दर्द(राहुल गांधी) पर कुछ नहीं कहनाा चाहती, लेकिन जिस यात्रा की बात वह कर रहे है, उस दौरान वे कश्मीर में अपने परिजन के साथ बर्फ से खेलते नजर आए, लेकिन उन्हें ये नहीं पता कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा धारा 370 हटाने के बाद यह सब कुछ संभव हो पाया है। कांग्रेस शासित राज्यों में महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचारों का जिक्र करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि अभी हाल में राजस्थान के भीलवाड़ा में 14 वर्षीय बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया, फिर भट्टी में दफनाया गया, दो महिला सांसद वहां गई थी, वहां बच्ची का एक हाथ भट्टी के बाहर छूट गया, न्याय की गुहार तब नहीं लगाई, जब बंगाल में 60 साल की महिला के साथ उसके नाती के सामने उसका दुष्कर्म किया गया इस पर आपके मुंह से एक शब्द भी नहीं निकलेगा।

यूपी में स्टेट एडवेंचर घोषित हो सांड युद्ध : अखिलेश

कसा तंज- चेतावनी जारी करें, सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य की नहीं

» सपा ने उठाया विस में छुट्टा जानवरों का मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर फर्रुखाबाद में सांडों की लड़ाई का फोटो साझा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में सांड युद्ध दर्शन को अब स्टेट एडवेंचर (राज्य साहसिक खेल) घोषित कर देना चाहिए। साथ में यह चेतावनी भी जारी की जाए कि लोगों की जान की सुरक्षा की राज्य की कोई जिम्मेदारी नहीं है। यहां बता दें कि अखिलेश इन दिनों रोज ही सांड समाचार के तहत छुट्टा पशुओं की समस्याओं को उठा रहे हैं। सपा का एक प्रतिनिधिमंडल 10 अगस्त को कुशीनगर जाएगा।

कुशीनगर के विधानसभा क्षेत्र हाटा के खागी मंडेरवा में कमलेश सिंह सैंथवार की गोली मारकर की गई हत्या की सही जानकारी और पीड़ित परिवार से मिलने के लिए 6 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पहुंचेगा। प्रतिनिधिमंडल में किसान सिंह सैंथवार, डॉ. मोहसिन, अशोक सिंह कुशवाहा आदि नेता शामिल रहेंगे। विधान परिषद में किसानों के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की ओर से दिए गए जवाब से असंतुष्ट सपा सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। इस पर सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्षी सदस्य सदन बाधित करने का बहाना गढ़ रहे हैं। सदन को अनायास रोकना ठीक नहीं है। इसलिए सदन की कार्यवाही नहीं रूकेगी। सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद बसपा के सदस्य भीमराव अंबेडकर के नकली देशी शराब से संबंधित जवाब आबकारी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने दिया। उन्होंने नकली शराब रोकने के संबंध में की गई कार्यवाही का विवरण दिया। इसके बाद सपा के डा. मान सिंह यादव के किसानों की आय बढ़ाने संबंधित सवाल का जवाब देते हुए कृषि राज्यमंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस बीच स्वामी प्रसाद मौर्य ने रवि सीजन में गेंहू खरीद केंद्रों की संख्या जाननी चाही, जिस पर कृषि मंत्री ने कहा कि खरीद भरपूर हुई है। इसी बीच सपा के नरेश उत्तम ने छुट्टा जानवरों का मुद्दा उठाया तो कृषि मंत्री ने बताया कि 13 लाख से ज्यादा गोवंश संरक्षित किए गए हैं। ताकि किसानों की फसल का नुकसान न हो। इस पर सपा सदस्य संतुष्ट नहीं हुए। वे आलू खरीद और गन्ना खरीद के मुद्दे पर भी चर्चा की मांग करने लगे, जिसे पीठ ने इनकार कर दिया। इससे आक्रोशित सपा सदस्यों ने सदन का बहर्गिमन कर दिया।

अहंकार का कोई इलाज नहीं

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी के यादव जाति को लेकर दिए गए विवादित बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि उन शक्तिहीन बेबस मंत्रियों की व्यक्तिगत टिप्पणी पर क्या जवाब देना, सरकार में जिनकी कोई गिनती तक नहीं है। हमारी तो यही प्रार्थना है कि बेचारगी से त्रस्त ऐसे मंत्रीजी को भगवान सन्मति दे। यदि अहंकार से मतिभंग होने का कोई उपचार होता तो हम उसके लिए भी सच्चे मन से प्रार्थना करते। गन्ना एवं चीनी विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने सोमवार को छुट्टा पशुओं से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा था कि अखिलेश यादव अपनी असलियत से भटक रहे हैं।

राणे की भाषा बता रही यह कितना नीचे जा सकते हैं : चतुर्वेदी

» केंद्रीय मंत्री ने संसद में किया अमर्यादित आचरण, हो रही आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा,यह आदमी एक मंत्री है (यहां वह इस सरकार के मानक को प्रदर्शित करता हुआ दिखाई दे रहा है और यह कितना नीचे जा सकता है।

शिवसेना छोड़ने वालों पर निशाना साधते हुए अरविंद सावंत ने कहा, तब पीएम मोदी ने 36 सेकंड तक बात की थी...वे अब हमें हिंदुत्व सिखा रहे हैं और हम हिंदुत्व के साथ पैदा हुए हैं, जो लोग हिंदुत्व का पालन करते हैं वे पार्टी नहीं छोड़ते, पीएम मोदी एनसीपी को नेशनल करप्ट पार्टी कहा और फिर वे महाराष्ट्र में सरकार में शामिल हो गए। बता दें कि मणिपुर में हिंसा के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग पर वह विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। आम आदमी पार्टी ने कहा कि पीएम मोदी के मंत्री ने सड़क के गुंडे की भाषा का इस्तेमाल करते हुए संसद के अंदर धमकी दी और बच गए।

भीख में तटबंध दे दीजिये सीएम योगी जी : स्वामी ओमवेश

» सपा विधायक ने सदन में की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिजनौर के चांदपुर से सपा विधायक स्वामी ओमवेश ने विधानसभा में एक ओर जहां माहौल को गंभीर बनाया, वहीं दूसरे ही पल उनकी बात से सदन में हंसी का ठहाका गूंज गया। योगी आदित्यनाथ, अखिलेश और विधानसभा अध्यक्ष भी अपनी हंसी नहीं रोक सके। स्वामी ओमवेश ने तारांकित सवाल के जरिये बरसात के समय गंगा नदी के आसपास के क्षेत्र में जलभराव अधिक होने से किसानों की फसलें डूबने का मुद्दा उठाया।

उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार ऐसे क्षेत्र में तटबंध बनवाएगी? मुख्यमंत्री की मौजूदगी में ओमवेश ने कहा कि उन्होंने पिछली बार भी इस मुद्दे को उठाया था। सीएम से भी मिला था। लेकिन तटबंध न बनने से चांदपुर क्षेत्र के कई गांव बाढ़ग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने तटबंध बनवाने के भरोसे पर ही उन्हें चुनाव जिताया था। उन्होंने कहा कि वह सपा के सन्यासी हैं, इसलिए तटबंध नहीं मिल रहा है? इतना कहते ही सदन ठहाकों से गूंज उठा। फिर ओमवेश ने कहा कि योगी जी आपसे झोली फैलाकर भीख मांग रहा हूं, तटबंध बनवा दीजिए।

नूंह में हिंसा की जानकारी पर गृहमंत्री व उपमुख्यमंत्री के बयान में अंतर

दोपहर डेढ़ बजे मिली जानकारी : चौटाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। नूंह घटना पर हरियाणा सरकार एक सुर नहीं हो पा रही। पहले गृहमंत्री अनिल विज ने कहा था कि उन्हें इस हिंसा की जानकारी दोपहर तीन बजे मंदिर में फंसे एक व्यक्ति ने दी थी। पहले से कोई इनपुट हमारे पास नहीं था। अब इसी मामले में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि उन्हें दोपहर डेढ़ बजे जजपा के नेता ने मामले की जानकारी दी थी।

चौटाला ने कहा कि नूंह में बृजमंडल यात्रा के लिए आयोजकों ने 3200 लोगों की अनुमति ली थी और उसी के अनुसार पुलिसबल तैनात किया गया था, लेकिन मौके पर स्वीकृत लोगों से ज्यादा पहुंच गए। पुलिस व प्रशासन स्थिति को सही तरीके से भांप नहीं पाया। इसलिए हिंसा हुई। खुफिया विफलता के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इसकी जांच चल रही है। वहीं उनसे जब पूछा गया कि उन्हें घटना की जानकारी कब मिली थी तो उन्होंने कहा कि उन्हें डेढ़ बजे घटना के बारे में पता चला। उसके बाद मैंने एडीजीपी (सीआईडी) से बात की और उनसे अनुरोध किया कि एसपी भिवानी नरेंद्र बिजारणिया को नूंह भेजा जाए। क्योंकि वह पहले वहां रह चुके हैं और स्थितियों को जानते हैं। जब उनसे पूछा गया कि राज्य के गृह मंत्री अनिल विज का कहना है कि उन्हें घटना की जानकारी तीन बजे मिली थी। इस पर चौटाला ने कहा कि मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। उन्होंने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नूंह के एक जेजेपी नेता ने दी थी। उन्होंने कहा कि अब स्थिति सामान्य है। इस घटना के जो भी दोषी होंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

11 अगस्त तक इंटरनेट सेवाएं बंद

हरियाणा सरकार ने नूंह जिले में साम्प्रदायिक तनाव को देखते हुए इंटरनेट सेवाएं बंद करने की अवधि को 11 अगस्त रात 12 बजे तक बढ़ा दिया है। नूंह जिले में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं, सभी एसएमएस सेवाओं (केवल बल्क एसआरवीएमएस और बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज को छोड़कर) और सभी डोंगल सेवाओं आदि को बंद करने का आदेश दिया गया है। केवल वॉयस कॉल चालू रहेंगी। इस संबंध में गृह विभाग के सचिव टीवीएसएन प्रसाद द्वारा आदेश जारी किए गए हैं।

एमसीडी में खत्म हुआ भ्रष्टाचार : केजरीवाल

» शहीदी पार्क के उद्घाटन पर मिले सीएम व एलजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शहीदी पार्क के नाम से मशहूर होगी दिल्ली

नई दिल्ली। शहीदी पार्क उद्घाटन के समय भाजपा पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एमसीडी में आप की सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचार कम हुआ है, तभी साल की पहली तिमाही का एमसीडी का राजस्व बढ़ा है। दिल्ली सेवा बिल पास होने के एक दिन बाद उपराज्यपाल वीके सक्सेना व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक मंच पर दिखे। इस मौके पर दोनों के मुस्कुराते हुए हावभाव तो सामान्य थे, लेकिन बातों-बातों में एक-दूसरे पर सियासी बढ़त हासिल करने की कोशिश दोनों ने की। उपराज्यपाल ने दिल्ली के विकास कार्यों का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को दिया। उपराज्यपाल वीके सक्सेना व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एमसीडी के आईटीओ स्थित शहीदी पार्क में आजादी का अमृत महोत्सव पार्क के उद्घाटन समारोह का मंच साझा किया। केजरीवाल ने कहा कि यह शहीदी पार्क में देश की संस्कृति और इतिहास को बहुत ही सुंदर तरीके से प्रदर्शित किया गया है, जो बहुत ही अद्भुत है। जब हम चंडीगढ़ जाते हैं तो लोग रॉक गार्डन देखने जाने की सलाह देते हैं। आने वाले दिनों में दिल्ली भी शहीदी पार्क के नाम से मशहूर हो जाएगी। दिल्ली कोई आएगा तो वह लालकिला, कुतुबमीनार के साथ ही शहीदी पार्क भी देखकर जाएगा। हमें दिल्ली के सभी स्कूलों के बच्चों को लिए शहीदी पार्क को देखना आवश्यक कर देना चाहिए।

गौरवमयी इतिहास को समेटे है पार्क

शहीदी पार्क आईटीओ के पास करीब 4.5 एकड़ भूमि पर विकसित किया गया है। पार्क भारत के गौरवमयी इतिहास को अंदर समेटे हुए है। पूरे पार्क में लगी कलाकृतियों में लोहे के खराब सामान, बिजली के खंभे पुरानी कारें, ट्रक, पार्कों की ग्रिल, ऑटो मोबाइल पार्ट और पाइप समेत अन्य वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है। यहां कलाकृतियों को 10 कलाकारों और करीब 700 कारीगरों ने मिलकर करीब छह माह में तैयार किया है। इस पार्क के निर्माण कार्य में 250 टन से अधिक स्क्रैप का इस्तेमाल किया गया है।

केंद्र दिल्ली के विकास पर दे रहा ध्यान : उपराज्यपाल

उपराज्यपाल डीके सक्सेना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंद्र सरकार की ओर से लगातार दिल्ली के विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री दिल्ली का विकास करने के लिए अनेक योजनाओं को स्वीकृति दे चुके हैं और उनमें से कई योजनाओं के तहत कार्य भी चल रहा है। रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास व अन्य योजनाएं दिल्ली के विकास के लिए अभूतपूर्व अवसर प्रदान करेंगे। इसी तरह डीडीए द्वारका में 560 करोड़ रुपये की लागत से भारत वंदना पार्क को विकसित कर रहा है। यह पार्क भी केंद्र सरकार के कारण विकसित हो सका। केंद्र सरकार ने इस पार्क को विकसित करने के लिए 15 करोड़ रुपये फंड उपलब्ध कराया है। जिससे इस पार्क का विकास किया जा सके।

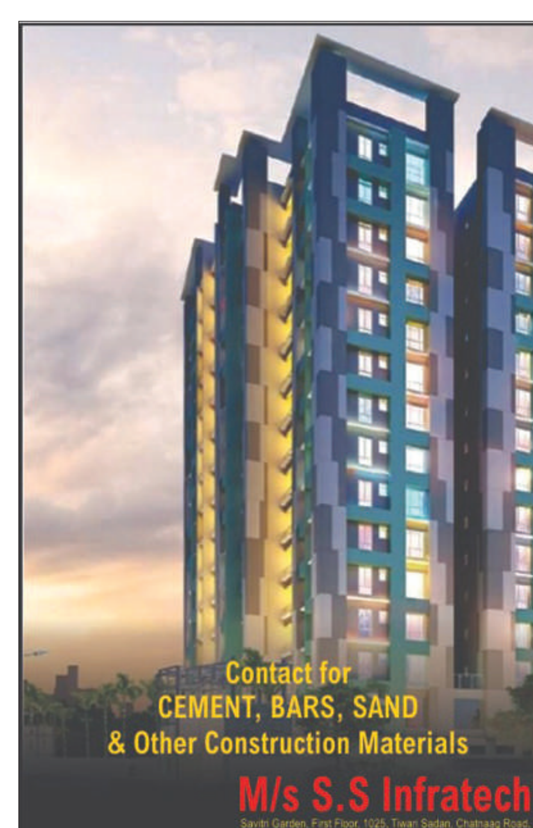

यूपी में बदलेगी विपक्षी सियासत!

» राज्यसभा में जयंत की गैरमजूदगी बनी चर्चा का विषय

» सपा की बेचैनी बढ़ी, बीजेपी उत्साहित

» लोकसभा चुनाव में बनेंगे नए समीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले उत्तर प्रदेश में बड़ा सियासी भूचाल आने के संकेत मिल रहे हैं, जो समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत पूरे इंडिया गठबंधन के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा। सोमवार को राज्यसभा में दिल्ली सेवा बिल पर बहस हुई, जिसमें पक्ष-विपक्ष के बीच जोरदार बहस देखने को मिली। दोनों पक्षों की बहस के बाद शाम को इस बिल पर वोटिंग हुई, लेकिन इस दौरान सपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद जयंत चौधरी ने एक ऐसा कदम उठाया, जिससे आने वाले दिनों में सपा की मुसीबतें बढ़ सकती है।

राज्यसभा में दिल्ली सेवा बिल पर वोटिंग के दौरान आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी सदन में मौजूद ही नहीं थे, उन्होंने बिल पर वोटिंग से एब्स्ट्रेन किया, सदन में चौधरी की गैरमौजूदगी अब चर्चा का विषय बन गई है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि जयंत चौधरी सदन में मौजूद नहीं थे। वो भी ऐसे समय में जब बीजेपी के विरोध में बने गठबंधन इंडिया को अपनी मजबूती दिखानी थी। इसे इंडिया गठबंधन की अग्निपरीक्षा के तौर पर भी देखा जा रहा था. हालांकि जयंत के करीबी ने कुछ और ही दावा कर रहे हैं। जयंत चौधरी के करीबी का कहना है कि आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी को कुछ जरूरी काम था, जिसकी वजह से वो राज्यसभा में वोटिंग के दौरान शामिल नहीं हो पाए, लेकिन ये तर्क किसी के गले से उतर नहीं रहा है. जाहिर है कि सियासी गलियारों में जयंत को लेकर कई तरह के सवाल उठने शुरू हो गए हैं.

राजभर भी नए कलेवर में

उधर विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान जहां सपा सत्ता पक्ष को घेरने की पूरी कोशिश कर रही है। वहीं ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साध रहे है। विधानसभा के मानसून सत्र में पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी विपक्ष ने महंगाई से लेकर बेरोजगारी को मुद्दा बनाया। एक ओर जहां सपा ने सत्ता पक्ष को घेरने की पूरी कोशिश की, वहीं हाल ही में एनडीए में शामिल हुए सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने विरोधी दलों को आड़े हाथों लिया है। खासतौर पर ओम प्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते नजर आए। ओम प्रकाश राजभर का कहना है कि सरकार मौजूदा समय में विपक्ष से हर बिंदु पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, उन्होंने आगे कहा कि लेकिन विपक्ष सोच रहा है कि चर्चा करेंगे तो फंस जाएंगे, उनका कहना है कि समाजवादी पार्टी ने दलितों, पिछड़ों और मुस्लमानों के साथ जो धोखा किया उसका खुलासा हो जाएगा, इसलिए समाजवादी पार्टी के लोग चर्चा से पीछे भाग रहे हैं। मणिपुर मामले पर बोलते हुए राजभर ने कहा कि यह मुद्दा लोकसभा और मणिपुर की विधानसभा के लिए मुद्दा है। उत्तर प्रदेश में हमें इस बात पर चर्चा करने की ज़रूरत है कि बाढ़ प्रभावित लोगों को कैसे राहत प्रदान की जाए, या किसानों को पानी की आपूर्ति करके फसल उगाने में कैसे मदद की जाए इस बात पर चर्चा होनी जरूरी है, राजभर ने समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि सपा को किसानों, युवाओं और बेरोजगारों की कोई परवाह नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सिर्फ हल्ला करना और चिल्लाना ही रह गया है, उन्होंने आगे कहा कि सरकार गरीबों के विकास के लिए, शोषित, वंचित, पीड़ितों के लिए काम कर रही है, जिसे देख विपक्ष काफी परेशान हो गया है, उनका कहना है कि सरकार की योजना को जनता तक पहुंचाया जा रहा है।

बीजेपी से बढ़ेगी नजदीकियां

सूत्रों के मुताबिक जयंत चौधरी इन दिनों बीजेपी के संपर्क में हैं। जयंत ने यूपी में पांच लोकसभा सीटों की मांग की है। हालांकि बीजेपी उन्हें तीन सीटें देने को तैयार है, बस इसी बात पर पेंच फंसा हुआ है, बीजेपी पिछले काफी समय से जयंत को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही थी। बीजेपी का मानना है कि अगर जयंत एनडीए में आ जाते हैं तो जाट मतदाताओं की मदद से पश्चिमी यूपी में भी क्लीन स्वीप की जा सकती है। जयंत चौधरी अगर एनडीए में शामिल हो जाते हैं तो समाजवादी पार्टी के लिए ये किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा। ऐसे में यूपी में बीजेपी के खिलाफ इंडिया गठबंधन की लड़ाई और कमजोर हो जाएगी। जयंत चौधरी इंडिया गठबंधन की पहली बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे, तभी से उनके बीजेपी के संपर्क में होने के कयास लगाए जा रहे थे हालांकि, कर्नाटक में हुई दूसरी बैठक में वो जरूर पहुंचे थे, लेकिन अब राज्यसभा में जिस तरह वो वोटिंग से दूर रहे उसने विपक्षी खेमे में हलचल जरूर मचा दी है।

कमलनाथ दे रहे मप्र में बीजेपी को चुनौती

» हिंदुत्व की सीढ़ी से 23 में चढ़ने की तैयारी

» मंदिर-मंदिर की कर रहे यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मध्यप्रदेश में कमलनाथ कांग्रेस का चेहरा हैं। मिशन 2023 के लिए वह हिंदुत्व की राह पर चल दिए हैं। उनके इस कदम से जहां बीजेपी परेशान है वहीं कांग्रेस में भी बेचैनी हैं। बाबा बागेश्वर की कथा छिंदवाड़ा में करवाकर वह अपने लोगों के निशाने पर आ गए हैं। कांग्रेस के बड़े नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इस पर सवाल उठाते हुए पार्टी के सीनियर लीडरशीप से सवाल दागे हैं। वहीं, कमलनाथ ने अपने ही एजेंडे पर आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में सियासी जानकारों को लग रहा है कि राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान पर कमलनाथ का हार्ड हिंदुत्व भारी न पड़ जाए। हिंदू वोटरों को साधने में जुटे कमलनाथ के हाथ से कहीं मुस्लिम वोटर न छिंटक जाएं।

ऐसे में बीजेपी से ज्यादा कांग्रेस में इसे लेकर बेचैनी है। एमपी के पूर्व सीएम कमलनाथ का अपना अलग स्टैंड रहा हैं। पहली बार विवादों में आए बागेश्वर सरकार जब कांग्रेस नेताओं के निशाने पर थे, तब कमलनाथ उनसे मिलने बागेश्वर धाम चले गए थे। इसके साथ ही उन्होंने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे कि हिंदुत्व की राह से इस बार के चुनाव में भटकना नहीं है। उन्होंने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा करवाने का फैसला किया था। छिंदवाड़ा में कथा करवाकर उन्होंने अपने विरोधियों को संदेश दे दिया है कि वह हार्ड हिंदुत्व की राह पर ही चलेंगे। सियासी जानकार सवाल उठा रहे हैं कि बाबा से प्यार एमपी में कांग्रेस को भारी न पड़ जाए। बागेश्वर सरकार की कथा से छिंदवाड़ा में कमलनाथ हिंदू वोटरों के साथ-साथ आदिवासियों को साधने की कोशिश की है। उन्होंने मंच से कहा है कि आदिवासी गौरव दिवस के उपलक्ष्य में राम कथा का आयोजन किया गया है। साथ ही हार्ड कोर हिंदू वोटरों को भी बाबा ने साधने की कोशिश की है। कमलनाथ ने मंच से कहा कि मैं हिंदू हूं। उन्होंने कहा कि मैं गर्व से कह रहा हूं कि हिंदू हूं। इसके साथ ही बागेश्वर सरकार को फिर से छिंदवाड़ा आने का न्यौता दिया है। वहीं, कमलनाथ के कदम से कांग्रेस में खलबली मच गई है। पार्टी के सीनियर नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने ट्वीट कर लिखा कि मुसलमानों के ऊपर बुलडोज़र, चढ़ाने और आरएसएस का एजेंडा हिंदू राष्ट्र की खुल्लमखुल्ला वकालत कर के संविधान की धज्जियां उड़ाने वाले बीजेपी के स्टार प्रचारक की आरती उतारना कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को शोभा नहीं देता। सेक्युलरिज्म के ध्वज वाहक जयराम रमेश, दिग्विजय और मल्लिकार्जुन खरगे सब खामोश हैं। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी टैग किया है। कमलनाथ के इस कदम से मध्यप्रदेश के राजनीतिक विश्लेषक भी हैरान हैं। उनका कहना है कि आखिर कमलनाथ कौन सी कांग्रेस में हैं। पंडित जवाहर लाल नेहरू सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार में नहीं गए थे। ऐसे में आदिवासी बाहुल्य छिंदवाड़ा में कमलनाथ को बागेश्वर सरकार की जरूरत क्यों पड़ी है।

12 तुगलक लेन बंगले में फिर रहेंगे राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल होने के एक दिन बाद यानी मंगलवार (8 अगस्त) को उनको पुराना सरकारी बंगला आवंटित हो गया है. हाउसिंग कमेटी ने उन्हें दिल्ली के 12 तुगलक लेने वाला बंगला वापस दे दिया है, उन्होंने बंगला मिलने पर कहा, मेरा घर पूरा हिंदुस्तान है। सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरनेम से जुड़े मानहानि मामले में उनकी दोषसिद्दि पर शुक्रवार (4 अगस्त) को रोक लगा दी थी. इसी के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल कर दी गई. इसके बाद उन्हें फिर से बंगला मिला है। राहुल गांधी को मोदी उपनाम मामले में गुजरात के सूरत की एक कोर्ट ने 23 मार्च को दो साल की सजा सुनाई थी. इसके बाद केंद्र सरकार ने 24 घंटे में उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी थी. फिर उनका सरकारी बंगला एक महीने बाद वापिस ले लिया था। राहुल गांधी ने 22 अप्रैल को दिल्ली के 12 तुगलक लेने वाला बंगला 19 साल बाद खाली किया था. उन्होंने इस दौरान कहा था कि सच्चाई की जो भी कीमत वो चुकाएंगे. इसके लिए हमेशा वो तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने मुझे घर दिया था, लेकिन छीन लिया गया. कोई बात नहीं।

फिर आएंगे तेवर में राहुल

» 12 अगस्त को वायनाड का दौरा करेंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी लोकसभा सदस्यता बहाल होने के बाद अब फिर पूरे तेवर में आएंगे। इसी के तहत वह अपने संसदीय क्षेत्र की जनता से मिलेंगे। वह आगामी 12 और 13 अगस्त को केरल स्थित अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड का दौरा करेंगे। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संसद की सदस्यता बहाल होने के बाद राहुल गांधी पहली बार वायनाड पहुंचेंगे। वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, ''12-13 अगस्त को राहुल गांधी जी अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड का दौरा करेंगे। वायनाड के लोग के इस बात से खुश हैं कि लोकतंत्र की जीत हुई और उनकी आवाज संसद में लौट आई। राहुल जी सिर्फ एक सांसद नहीं, उनके परिवार के सदस्य हैं।

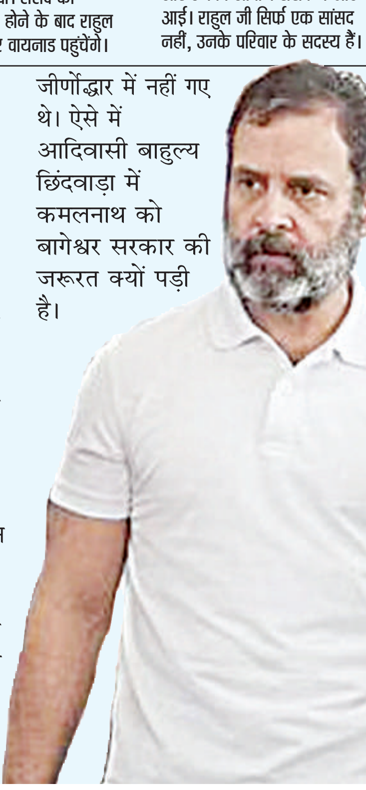

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

किसी की न हो हानि वंचितों को मिले लाभ

> केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में 3000 जातियां हैं, लेकिन कुछ जातियां ही ऐसी है जो फिलहाल ओबीसी आरक्षण का लाभ उठा पा रही हैं, ऐसे में आरक्षण को सब-कैटेगरी में बांटने को लेकर बहस होती रहती है, ताकि इसका लाभ सभी जातियों को बराबर मिल सके। भारत में होने वाले आम चुनाव से पहले सभी पार्टियां अपने-अपने तरीके से ज्यादा से ज्यादा वोटर्स को अपनी तरफ करने की पूरी कोशिश में लगी हुई है।

भारत में हजारों जातियां रहती हैं। कुछ ऐसी जातियां है जिन्हें सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक व शैक्षिक रूप से पिछड़ा होने के कारण आरक्षण का लाभ मिलता है पर बहुत सी ऐसी जातियां है जो लाभ से वंचित है इसी को मद्देनजर रखते हुए भारत सरकार ने एक आयोग का गठन किया था जो उनका अध्ययन कर उन पर एक रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके लिए रोहिणी आयोग बनाया गया था उस रिपोर्ट को राष्ट्रपति द्रौपदी मुंमु को सौंप दिया गया है। उम्मीद की जा सकती जो जातियां आरक्षण के लाभ छूट गई हैं उन्हें जल्द ही लाभ मिलेगा और वह राजनैतिक से लेकर आर्थिक रूप से मुख्य धारा में जुड़का आगे की ओर बढ़ेंगे। केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में 3000 जातियां हैं, लेकिन कुछ जातियां ही ऐसी है जो फिलहाल ओबीसी आरक्षण का लाभ उठा पा रही हैं, ऐसे में आरक्षण को सब-कैटेगरी में बांटने को लेकर बहस होती रहती है, ताकि इसका लाभ सभी जातियों को बराबर मिल सके। भारत में होने वाले आम चुनाव से पहले सभी पार्टियां अपने-अपने तरीके से ज्यादा से ज्यादा वोटर्स को अपनी तरफ करने की पूरी कोशिश में लगी हुई है।

इसी बीच ओबीसी आरक्षण को सब-कैटेगरी में बांटने की संभावना को लेकर बनाई गई रोहिणी आयोग ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी है। आखिर ओबीसी आरक्षण को सब-कैटेगरी में बांटने का पूरा मामला क्या है और जस्टिस रोहिणी आयोग की रिपोर्ट इतनी अहम क्यों है? मंडल कमीशन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में ओबीसी जाति के सभी लोगों को केंद्रीय एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में नामांकन से लेकर नौकरियों तक में 27 प्रतिशत का आरक्षण मिलता है। ओबीसी जातियों का वर्गीकरण के बहस के बीच केंद्र सरकार ने 2 अक्टूबर, 2017 को ओबीसी की केंद्रीय लिस्ट को बांटने के मकसद से एक आयोग बनाने की घोषणा की। इसका नाम रखा गया रोहिणी आयोग और दिल्ली हाई कोर्ट के रिटायर्ड मुख्य न्यायाधीश जी। रोहिणी इसके अध्यक्ष बनें। उनके नाम के कारण ही आयोग का नाम भी रोहिणी ही रखा गया। आयोग के जिम्मे तीन काम दिए गए थे। ओबीसी के अंदर अलग-अलग जातियों और समुदायों को आरक्षण का लाभ कितने असमान तरीके से मिल रहा है इसकी जांच करना,ओबीसी के बंटवारे के लिए तरीका, आधार और मानदंड तय करना। ओबीसी के उपवर्गों में बांटने के लिए उनकी पहचान करना। रोहिणी आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 340 के तहत किया गया था, ये आयोग कितना महत्वपूर्ण है ये इससे भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि अब तक इस अनुच्छेद के तहत दो ही आयोग बनाए गए है, जिनमें से एक मंडल व दूसरा केलकर कमीशन है। सिफारिशें कुछ भी ये ध्यान देना जरूरी है किसी को भी नुकसान न उठाना पड़े।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पर्यावरण व किसान हित में धान की सीधी बिजाई

वीरेन्द्र सिंह लाठर

सरकारी नारा 'धान छोड़े किसान' हरियाणा और पंजाब के कर्णधारों के व्यावहारिक कृषि ज्ञान की गवाही तो नहीं देता है। बीते नौ वर्षों में 'मेरा पानी-मेरी विरासत योजना' के तहत हरियाणा में फसल विविधीकरण के नाम पर हजारों करोड़ रुपये बर्बाद हुए लेकिन धान क्षेत्र कम नहीं किया जा सका। इसके उलट धान नये क्षेत्रों महम, सिरसा, चरखी दादरी-भिवानी आदि में ज्यादा भूमि पर उगाई गई। यही हाल पंजाब का भी रहा है। दरअसल, धान राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा है और किसान भी धान-गेहूं उगाना ज्यादा लाभदायक मानते हैं। तभी इन फसलों का रकबा बढ़कर कुल कृषि योग्य भूमि के लगभग 80 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसीलिये सरकार किसानों को धान-गेहूं फसल चक्र से बाहर नहीं निकाल पा रही है। हरियाणा में सरकार विविधता लाने के लिए अधिक पानी खपत वाली धान की फसल के बजाय मक्का, सूरजमुखी, मूंग जैसी फसलों और खेत खाली रखने वाले किसानों को प्रोत्साहन जैसी अव्यावहारिक योजना लागू कर रही है जो खाद्य सुरक्षा के लिए जोखिम से कम नहीं।

इन प्रदेशों के पश्चिमी शुष्क क्षेत्रों में फसल विविधीकरण के लिए कपास अच्छा विकल्प रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बीटी कपास की विफलता से परेशान किसानों ने भी कपास छोड़कर धान अपनाया है। हरियाणा सरकार के डीएसआर-2023 पोर्टल के अनुसार, कपास बहुल सिरसा जिले में 74,000 एकड़ भूमि पर धान की सीधी बिजाई हुई है। धान फसल किसानों को वार्षिक 101,190 रुपये प्रति हेक्टेयर लाभ देती है जो दूसरी खरीफ फसलों मक्का, बाजरा व मूंग के मुकाबले दुगनी लाभदायक है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के चार संस्थानों द्वारा भी पंजाब और हरियाणा में फसल प्रणालियों के विविधीकरण पर जून-2021 में एक नीति पत्र लाया गया, जिसमें माना कि धान-गेहूं के मुकाबले किसानों को अन्य फसलों पर अपेक्षाकृत कम फायदा मिलता है। यूं भी पंजाब-हरियाणा में फसल विविधीकरण व्यावहारिक नहीं हैं क्योंकि खरीफ सीजन में इन प्रदेशों में जलभराव बड़ी समस्या है जिससे यहां मक्का,बाजरा, मूंग उगाना सम्भव नहीं।

सदियों से पूर्वी व दक्षिण भारत सहित दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों में धान मुख्य फसल रही है जहां बिना फसल विविधीकरण किये धान की सालभर में दो-तीन फसलें उगाई जाती है। बेहतर है कि भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए किसानों को धान-गेहूं फसल चक्र के बीच हरी खाद उगाने के लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन पंजाब, हरियाणा की सरकारें वर्षों से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के दबाव में फसल विविधीकरण का राग अलाप रही है। अमेरिका और यूरोप के देशों के मक्का किसानों के बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा महंगे बीजों के जरिये शोषण के विपरीत, भारतीय किसान धान-गेहूं में स्व-परागण बीज प्रणाली होने से प्रतिवर्ष महंगे बीज पर निर्भर नहीं हैं क्योंकि बीज वे स्वयं बना सकते हैं जबकि संकर किस्मों के महंगे बीज किसान को प्रतिवर्ष बाजार से ही खरीदने की मजबूरी रहेगी। इसलिये बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के संकर धान बीज 500 रुपये प्रति किलो के मुकाबले उन्नत पारम्परिक धान किस्मों के बीज मात्र 30-50 रुपये प्रति किलो उपलब्ध हैं। खास बात यह कि संकर बीजों की पैदावार भी पारंपरिक धान किस्मों से ज्यादा नहीं। दरअसल, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां मार्किटिंग द्वारा महंगे संकर बीज किसानों को बेच रही हैं। किसानों को अपने महंगे बीजों के जाल में फंसाने के लिए अब जीएम सरसों और एचटी-धान हाइब्रिड बीजों की मंजूरी के लिए सरकार पर दबाव बनाए हुए हैं। जबकि इन जीएम हाइब्रिड बीजों की पैदावार पारम्परिक किस्मों के मुकाबले ज्यादा नहीं है। विविधीकरण थोपने का आधार रोपाई की गयी धान में सिंचाई पानी की ज्यादा खपत को बनाया जा रहा है जो

सच भी है। हरित क्रांति के दौर में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने को नीति नियंताओं ने ही धान की बौनी किस्मों के साथ रोपाई विधि को अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान से आयात कर ट्यूबवेल सिंचाई और समर्थन मूल्य द्वारा पंजाब-हरियाणा जैसे शुष्क प्रदेशों में लागू किया था।

इसलिये भूजल बर्बादी के लिए किसान नहीं बल्कि सरकारें जिम्मेवार हैं। वहीं धान की फसल भूजल बर्बादी के लिए बदनाम है लेकिन मक्का और सूरजमुखी भी कम नहीं , क्योंकि इन फसलों को भी भूजल आधारित सिंचाई की जरूरत होती है। इसलिए भूजल संरक्षण के लिए सरकार को 'प्रिजर्वेशन आफ सब सॉयल वाटर एक्ट' में पहली जुलाई से पहले धान रोपाई और वसंतकालीन मक्का-सूरजमुखी फसलों पर भी प्रतिबन्ध लगाना चाहिए।

पशु-पक्षी भी ला रहे हैं आदतों में बदलाव

क्षमा शर्मा

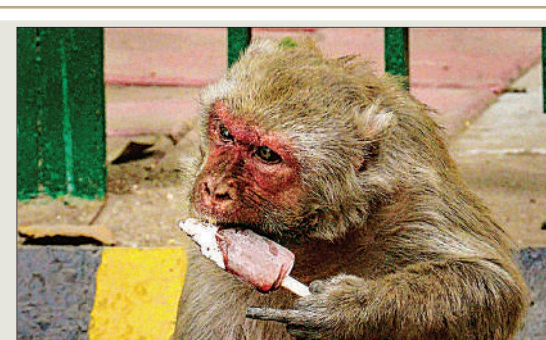

हाल ही में नैरोबी अफ्रीका के बारे में एक खबर आई। इसमें हाथियों के खान-पान के बारे में शोध किया गया था। बताया गया कि हाथी अपने खाने में विविधता पसंद करते हैं। इस शोध का मुख्य उद्देश्य हाथियों की खान-पान की आदतें जानना था जिससे कि भविष्य में उन्हें ठीक से संरक्षित किया जा सके। इस शोध में केन्या के हाथियों को दो समूह में बांटा गया था। जिससे कि उनकी खान-पान की आदतों का ठीक से पता लगाया जा सके। वैज्ञानिकों को इसमें सफलता भी मिली। वे दोनों समूहों के हाथियों के बारे में पता करने में सफल रहे कि किसे किस तरह के पौधे खाना पसंद है। हाथियों के बारे में मशहूर है कि उन्हें गन्ने और केले बहुत पसंद होते हैं। असम के बारे में अक्सर खबरें आती रहती हैं कि वहां हाथी सैनिक कैम्पस में घुसकर टैंकों में रखी शराब को पी जाते हैं।

वे नशे में खूब उत्पात भी मचाते हैं। वैज्ञानिक तब तक किसी बात को नहीं मानते जब तक कि उन्हें किसी बात के प्रमाण न मिलें, लेकिन जो लोग जानवरों को पालते हैं, उनके नजदीक रहते हैं वे इस बात को जानते ही हैं कि जानवर भी अपने स्वाद के प्रति बेहद सजग होते हैं। वे भी नापसंद आने वाले खाद्य पदार्थ को नहीं खाते। सालों पहले एक रिश्तेदार के यहां हरियाणा में जाना हुआ था। यही दिन थे। बारिश और आम का मौसम था। गृहस्वामिनी ने एक बड़े भगौने में आम पानी में भिगोकर रख दिए, जिससे कि जब वे ठंडे हो जाएं और उनका ताप निकल जाए तो खाए जा सकें। सब लोग कमरे में थे, उनका कुत्ता भी वहीं था। अचानक देखा गया कि कुत्ता पेट के बल धीरे-धीरे खिसकने लगा, दौड़ता तो सबको पता चल जाता। हो सकता है कि उसे रोकने की कोशिश की जाती। किसी को पता न चले, इसके लिए वह ऐसा कर रहा था। पेट के बल धीरे-धीरे खिसक रहा था। ऐसा करता वह वरांडा पार करके रसोई के पास पहुंचा। वहां दो पांवों पर खड़े होकर उसने स्लैब पर रखे भगौने में भीगे एक आम को मुंह में दबाया और बाहर भाग गया। गृहस्वामिनी ने उसे ऐसा करते देखा तो डांटा-अच्छा चोरी कर रहा है। अब लौट के आना तब बताऊंगी।

मगर वह वहां होता तभी तो मालकिन की डांट सुनता। वह तो बाहर दूर बैठा मजे से आम खा रहा था। उसे आम, खीरा, टमाटर, गाजर खाने का भी बहुत शौक था। आम की खुशबू आते ही वह बेचैन हो उठता था। एक दूसरे पिल्ले को देखा था जिसे संतरा खाने का बहुत शौक था। संतरा छीलते ही वह घर के किसी भी कोने में बैठा हो, दौड़ा चला आता था। और हाथ से छीनने की कोशिश करता। संतरे की फांकें वह आदमी की तरह ही खाता। उसके बीज उगलता जाता था। एक दूसरे मित्र के यहां एक बार जाना हुआ था। मित्र ने अंकुरित चने परोसे थे। उनमें से कुछ फर्श पर गिर पड़े। अचानक सामने बैठी सफेद बिल्ली आई और बिखरे हुए चने पंजे से बीन-बीनकर खाने लगी। ये बातें अपनी आंखों से देखी हैं, वरना तो विश्वास करना ही मुश्किल हो। इन चौपायों की तरह ही पक्षियों की भी खान-पान के मामले में पसंद-नापसंद होती है।

एक तोते को चाय इतनी पसंद थी कि वह घर वालों को चाय पीते देख पिंजरे में उछल-कूद मचाने लगता था। जब तक उसे चाय न दी जाए शोर मचाता रहता था। कहता था-मम्मी, चाय दो, चाय दो। जब उसे चाय और बिस्कुट दिए जाते तो चोंच में बिस्कुट को पकड़कर चाय में डुबोता और खाता। इसी तरह कौए भी यदि सूखे चावल खाने को पाएं तो वे उसे पानी में भिगोते हैं, तब खाते हैं। दूसरी चिड़ियों को नमकीन खाना इतना पसंद नहीं होता, मगर कौए इसका अपवाद होते हैं। हां, वे कबूतरों की तरह बाजरा या गेहूं अथवा मक्का नहीं खाते। मेरी खिड़की पर आने वाला कौआ बिस्कुट खाता है, ब्रेड, रोटी भी। कभी-कभी जब उसका इन चीजों को खाने का मन नहीं होता, तो इनकी तरफ देखता भी नहीं है। बंद खिड़की पर चोंच मारकर कुछ और खाने को मांगता है। न दो कांव-कांव करके पूरा घर सिर पर उठा लेता है। ऐसे में यदि घर में कोई मिठाई रखी है और वह उसे दे दी जाए तो बड़े शौक से खाता है। चोंच में भरकर अपने बाल-बच्चों के लिए भी ले जाता है। कई बार लगता है कि शायद वह मादा कौआ होगी, लेकिन कोई जरूरी नहीं क्योंकि पक्षियों में पिता भी अपने बच्चों को पालते हैं। उनके खान-पान का प्रबंध करते हैं। जानवरों की दुनिया में भी तरह-तरह के खेल, मेल, मिलाप, लड़ाई-झगड़े हैं, शत्रु-मित्र की पहचान है मनुष्य की दुनिया की तरह। उन्हें भी स्वाद की पहचान है, जबकि मनुष्य इसे सिर्फ अपनी थाती समझता है।

वह अपने को धरती का मालिक भी मानता है, जबकि यह धरती उन सबकी है, जो इस पर रहते हैं। इनमें तमाम पशु-पक्षी, कीट, पतंग, पेड़, पौधे, नदी, पहाड़, समुद्र सब शामिल हैं। इनमें से हर एक के अपने-अपने जीवन जीने, रहने-सहने के तौर- तरीके हैं। जिनमें वक्त के साथ ये बदलाव भी करते हैं। जैसे कि बिल्लियों को कूलर या एसी में सोना इन दिनों काफी पसंद आता है, जबकि उन्हें कहां से इन चीजों की आदत पड़ी। जब से वे अस्तित्व में आईं तब क्या कूलर और एसी ही थे? लेकिन वक्त के साथ सब अपने को दुनिया के बदलाव के नियम के तहत ही बदलते हैं। इसी तरह किसी गाय की पसंदगी-नापसंदगी देखनी हो तो उसे कुछ चीजें खिलाकर देखिए। जो चीजें वह नहीं खाना चाहती, उनसे तुरत मुंह फेर लेगी, सिर हिलाकर खाने से मना करेगी, फिर भी न माने तो सींग हिलाकर मारने की धमकी भी देगी। है न दिलचस्प।

हाथ-पैर में दर्द राहत दिलाएंगे ये योगासन

गलत लाइफस्टाइल और खान पान में पोषण की कमी के कारण लोग कई तरह की शारीरिक समस्याओं से पीड़ित हो जाते हैं। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में काम के चक्कर में लोगों को इधर-उधर भाग दौड़ करनी होती है। व्यस्त शेड्यूल की वजह से शरीर को आराम न मिल पाने पर व्यक्ति के पैरों पर दबाव पड़ता है और पैरों में दर्द की समस्या हो जाती है। गड़बड़ जीवनशैली और लगातार बैठे रहने की आदत के कारण हाथ और पैरों में दर्द बढ़ जाता है। लोग इस शारीरिक दर्द को दूर करने के लिए और हाथ पैर को आराम दिलाने के लिए मालिश करते हैं। मालिश से दर्द में त्वरित आराम तो मिल जाता है लेकिन दर्द लगातार लंबे समय तक बना रहता है। इसलिए शरीर दर्द से निजात के लिए स्थाई इलाज के तौर पर योग फायदेमंद है। योग विशेषज्ञ के मुताबिक, नियमित योगाभ्यास से हाथ पैर में दर्द की समस्या को कम किया जा सकता है। कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो पैरों की मांसपेशियों को मजबूती देते हैं और हल्का महसूस कराने में मदद करते हैं।

उत्तानासन

उत्तानासन योगाभ्यास से पैरों के दर्द और जकड़न की समस्या से निजात मिलता है। ये आसन कमर और रीढ़ के लिए भी फायदेमंद होता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पैरों को कूल्हे की चौड़ाई से अलग करते हुए घुटनों को सीधा रखें और आगे की ओर झुक कर पैरों के पिछले हिस्से को छूने की कोशिश करें।

गलत लाइफस्टाइल और खान पान में पोषण की कमी के कारण लोग कई तरह की शारीरिक समस्याओं से पीड़ित हो जाते हैं।

बालासन

बालासन को चाइल्ड पोज कहा जाता है। इस आसन के नियमित योगाभ्यास से पैरों के दर्द की समस्या को कम किया जा सकता है। चाइल्ड पोज को करने के लिए जमीन पर वज्रासन अवस्था में बैठ जाएं। अब सांस अंदर लेते हुए अपने दोनों हाथों को सीधा सिर के ऊपर उठा लें। फिर सांस बाहर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। हथेलियों और सिर को जमीन पर टिकाते हुए लंबी सांस अंदर लें और बाहर छोड़ें। अब अपनो दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ें और सिर को दोनों हथेलियों के बीच में धीरे से रख लें। थोड़ी देर इसी अवस्था में रहें और फिर पुरानी स्थिति में आ जाएं।

भुजंगासन

पैरों और शरीर दर्द से राहत दिलाने के लिए भुजंगासन लाभदायक है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर पेट के बल लेट जाएं। दोनों पैरों के बीच कम दूरी रखें और गहरी सांस लेते हुए कमर के ऊपरी भाग को ऊपर की तरफ उठाएं। इस दौरान कोहनी सीधी रखें और पैरों को मोड़ते समय ज्यादा खिंचाव न लाएं।

सेतुबंधासन

इस आसन को ब्रिज पोज योग भी कहते हैं। सेतुबंधासन पैरों और कमर दर्द से छुटकारा दिलाने में लाभदायक माना जाता है। इस आसन को करने से पैरों की मांसपेशियों में रक्त का संचार बढ़ता है। जिससे पैरों में होने वाला दर्द ठीक होने लगता है। सेतुबंधासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। अब पैरों को कंधे की चौड़ाई से अलग करते हुए घुटनों को मोड़ लें। हथेलियों को खोले और हाथ बिल्कुल सीधा जमीन पर सटा लें। सांस लेते हुए कमर के हिस्से को ऊपर की ओर उठाएं और कंधे व सिर को सपाट जमीन पर टिका कर रखें। बाद में सांस छोड़ते हुए पुरानी स्थिति में आ जाएं।

हंसना मना है

एक खरगोश रोज एक लोहार की दुकान पर जाता और पूछता गाजर है? लोहार इंकार कर देता। एक दिन लोहार को बहुत गुस्सा आया और उसने पकड़कर खरगोश के दांत तोड़ दिए। और कहा अब तू गाजर खा के दिखा? फिर क्या अगले दिन खरगोश आया और पूछने लगा -गाजर का हलवा है?

लड़का- तुम लड़कियां लव मैरिज क्यों करती हो? लड़की- अनजान नमूना मिलने से अच्छा है, जाना पहचाना कमीना मिल जाये..! लड़की- तुम लड़के लव मैरिज क्यों करते हो..? लड़का- एनाकोंडा मिलने से अच्छा है की पहले से पाली हुई नागिन मिले..! पोता- दादी आपने कौन-कौन से देश घूमे हैं? दादी- अपना पूरा हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान, उज़्बेकिस्तान, पोता- अब कौन सा घूमोगी, पीछे से छोटा पोता बोला-कब्रिस्तान, दे चप्पल दे चप्पल कमर लाल कर दी..

एक युवती ने अपना मंगेतर सहेली को दिखाया तो वो बोली- 'लड़का तो ठीक-ठाक है, पर जब हंसता है तो इसके दांत बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते।' युवती बोली- 'वैसे भी मैं शादी के बाद इसे हंसने का मौका ही कब दूंगी।'

कहानी | हाथी और छह अंधे व्यक्ति

एक समय की बात है, एक गांव में 6 अंधे व्यक्ति रहते थे। वह बड़ी खुशी के साथ आपस में रहते थे। एक बार उनके गांव में एक हाथी आया। जब उनको इस बात की जानकारी मिली, तो वो भी उस हाथी को देखने गये। लेकिन अंधे होने के कारण उन्होंने सोचा हम भले ही उस हाथी को न देख पाए, लेकिन छूकर जरूर महसूस करेंगे कि हाथी कैसा होता है। वहां पहुंच कर उन सभी ने हाथी को छूना शुरू किया। हाथी को छूकर एक अंधा व्यक्ति बोला, हाथी एक खंभे की माफिक होता है, मैं अब अच्छे से समझ गया हूं, क्योंकि उसने हाथी के पैरों को महसूस किया था। तभी दूसरा व्यक्ति हाथी की पुंछ पकड़ कर बोला अरे नहीं, हाथी तो रस्सी की तरह होता है। तभी तीसरा व्यक्ति भी बोल पड़ा अरे नही, मैं बताता हूं, यह तो पेड़ के तने की तरह होता है। तुम लोग क्या बात कर रहे हो, हाथी तो एक बड़े सूपे की तरह होता है, चौथे व्यक्ति ने कान को छूते हुए सभी को समझाया। तभी अचानक पांचवें व्यक्ति ने हाथी के पेट पर हाथ रखते हुए सभी को बताया अरे नहीं-नहीं , यह तो एक दीवार की तरह होता है। ऐसा नहीं है, हाथी तो एक कठोर नली की तरह होता है, छठे व्यक्ति ने अपनी बात रखी। सभी के अलग अलग मत होने के कारण उन सभी में बहस होने लगी, और खुद को सही साबित करने में लग गए। उनकी बहस तेज होती गयी और ऐसा लगने लगा मानो वो आपस में लड़ ही पड़ेंगे। तभी वहां से एक बुद्धिमान व्यक्ति गुजर रहा था। उनकी बहस को देखकर, वह वहां रुका और उनसे पूछा, क्या बात है, तुम सब आपस में झगड़ा क्यों कर रहे हो? उन्होंने बहस का कारण बताते हुए, उस बुद्धिमान व्यक्ति को बताया कि हम यह नहीं तय कर पा रहे हैं, कि आखिर हाथी दिखता कैसा है, उन्होंने ने उत्तर दिया। फिर एक एक करके उन्होंने अपनी बात उस व्यक्ति को समझायी। बुद्धिमान व्यक्ति ने सभी की बात शांति से सुनी और बोला, तुम सब अपनी-अपनी जगह सही हो, तुम्हारे वर्णन में अंतर इसलिए है, क्योंकि तुम सबने हाथी के अलग-अलग भागों को छुआ एवं महसूस किया। लेकिन यदि देखा जाए, तो तुम लोग अपनी अपनी जगह ठीक हो, क्योंकि जो कुछ भी तुम सबने बताया, वो सभी बाते हाथी के वर्णन के लिए सही बैठती हैं। अब तक सभी को सारी बातें समझ आ गयी थी। उसके बाद उस बुद्धिमान व्यक्ति ने उन्हें समझाया यदि आप सब अपने जो जो महसूस किया, उसके अलावा भी यदि आगे कुछ देखते तो आप को हाथी असल में कैसा होता है समझ आ जाता।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यापार-व्यवसाय में बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा।

वृषभ

यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कायक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

मिथुन

व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह

शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा।

कन्या

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी।

धनु

आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मकर

यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कुम्भ

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मीन

कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी।

डॉन-3 में हुई रणवीर सिंह की एंट्री!

बॉलीवुड | मसाला

कई महीनों से शाहरुख खान की फिल्म डॉन 3 चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर तरह-तरह की अपडेट सामने आ रही हैं। बीते दिन फिल्म से जुड़ी शॉकिंग खबर सामने आई, जब फैंस को पता चला कि डॉन 3 में किंग खान नजर नहीं आने वाले है। जहां एक तरफ लोग इस बात से निराश थे, तो वहीं यह भी जानना चाहते थे कि शाहरुख कि जगह फिल्म में कौन लेगा। अब इस बात का भी खुलासा हो गया है। नए डॉन के लिए इस सुपरस्टार का नाम सामने आ रहा है । मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख खान के बाद अब रणवीर डॉन बनने के लिए तैयार हैं। खबर है कि फरहान ने इस फिल्म की घोषणा करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। वह तीसरे पार्ट का धमाकेदार ऐलान करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। डॉन-3 का टीजर इसी हफ्ते डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा सकता है। मेकर्स रणवीर को नए डॉन के रूप में पेश करने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं।

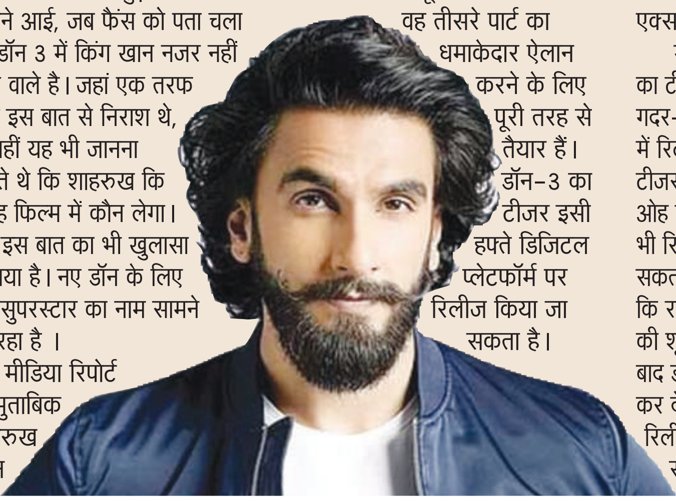

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म का टीजर सनी देओल की फिल्म गदर-2 के साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। टीजर को अक्षय कुमार की ओह माय गॉड 2 के साथ भी रिलीज किया जा सकता है। वहीं खबर है कि कि रणवीर फिल्म बैजू बावरा की शूटिंग पूरी करने के बाद डॉन 3 की शूटिंग शुरू कर देंगे। फिल्म 2025 में रिलीज हो सकती है।

इन फिल्मों में दिखेंगे रणवीर

रणवीर इन दिनों रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की सक्सेस एंजॉय कर रहे हैं। वहीं एक्टर बैजू बावरा में की जल्द शूटिंग शुरू करेंगे। उन्हें रोहित शेट्टी की सुपरहिट फैंचाइजी सिंघम के तीसरे भाग सिंघम 3 में देखा जाएगा। रणवीर की झोली में शंकर की फिल्म अपरिचित का हिंदी रीमेक है, वहीं शक्तिमान के लिए भी उनके नाम पर चर्चा चल रही है।

पूजा भट्ट से मिलकर मुझे पॉजिटिव फील हुआ : उर्फी

सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद ने हाल ही में बिग बॉस ओटीटी 2 में एंट्री ली। उन्होंने घर में आते ही सभी कंटेस्टेंट्स के लिए अपनी पसंद अनुसार बताया कि कौन कैसा है और उसके लिए उसी मटेरियल का कपड़ा डिजाइन करवाएंगी। घर में एंट्री लेते ही उर्फी सभी से गर्मजोशी के साथ मिलीं। अब वह शो से बाहर आ चुकी हैं और उन्होंने सभी से मिलने का अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है। उर्फी जावेद वह सोशल मीडिया सेंसेशन हैं, जिन्होंने सेलोटेप से लेकर बबल गम तक, हर तरह की चीजों से बनी ड्रेस को ट्राई किया है और बखूबी उनका फैशन अपने इंस्टाग्राम पर भी दिखाया है।

उर्फी ने यही काम बिग बॉस ओटीटी 2 में भी आकर किया। उन्होंने सभी कंटेस्टेंट्स की पर्सनालिटी बताकर उन्हें उसी अनुसार कपड़े पहनने की भी बात कही। उर्फी ने लाइव फीड में एंट्री ली थी। अब वह शो से बाहर आ चुकी हैं और आते ही उन्होंने पूजा भट्ट के बारे में अपनी राय दी है। इसके पहले घर के अंदर उर्फी ने फुकरा इंसना उर्फ अभिषेक मल्हान की तारीफ की थी। उर्फी ने कहा था कि सिर्फ अभिषेक ही ऐसे हैं, जो पूजा के सामने कुछ भी कहने से नहीं डरते। बाकी लोग रिस्पेक्ट के चक्कर में कुछ नहीं बोल पाते। उन्होंने बताया कि अभिषेक मल्हान उन्हें इसलिए पसंद हैं क्योंकि जो इंसान पूजा भट्ट को सुना सकता है, वह कुछ भी कर सकता है। उर्फी ने कहा सबसे मिलकर अच्छा लगा, लेकिन पूजा से मिलकर मुझे पॉजिटिव फील हुआ।

बॉलीवुड | मन की बात

रॉकी और रानी की रिलीज से मुझे आईवी डिप की जरूरत होती थी : करण जौहर

रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा रही है। फिल्म इंडिया के साथ-साथ ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भी पसंद की जा रही है। करण जौहर ने इस मूवी को डायरेक्ट किया है। यह पूरे सात साल बाद है, जब करण ने फिल्म ऐ दिल है मुश्किल के बाद किसी फिल्म को डायरेक्ट किया हो। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के ग्लोबल बॉक्स ऑफिस सक्सेस पर करण जौहर ने फैंस के लिए दिल छू देने वाला पोस्ट लिखा है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने सभी फॉलोअर्स को रॉकी और रानी... को सपोर्ट करने वालों को थैंक्यू कहा। साथ ही इस बात का खुलासा भी किया कि सात साल बाद खुद के डायरेक्शन में रिलीज होने वाली फिल्म से पहले उनका कॉन्फिडेंस लेवल कैसा था। करण ने कहा-इस फिल्म की रिलीज से पहले, मुझे लगा कि किसी भी समय, मुझे आईवी ड्रिप की जरूरत होगी और मैं गिरने के करीब था। मैंने खुद से जो सवाल पूछा वह था-क्या यह सात साल का लंबा गैप है? या इससे बनी चिंता पिछले तीन साल। या यह है कि हम एक अस्पष्ट बॉक्स ऑफिस के समय में रहते हैं। असल कारण जो भी हो-मैं उलझा हुआ था! लेकिन 28 जुलाई को, मुझे ग्रैटिट्यूड, मान्यता और खुशी के अलावा कुछ भी महसूस नहीं हुआ। यह फिल्म टीम की ऊर्जा और प्रेम का परिणाम है। फिल्म ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ के पार का कलेक्शन कर लिया है। रॉकी और रानी... का टोटल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 210 करोड़ हो गया है। फिल्म में रणवीर-आलिया की लव स्टोरी के साथ ही धर्मेंद्र और शबाना आजमी का लिपलॉक सीन सबसे ज्यादा चर्चा में बना हुआ है।

यहां लड़कों को 6000 रुपये में मिल रही परफेक्ट गर्लफ्रेंड! ब्रेकअप का भी झंझट नहीं

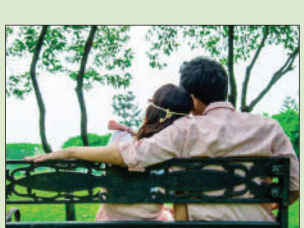

आज की दुनिया में इंसान अपने रिश्तों को लेकर सबसे ज्यादा परेशान हो रहा है। दो लोगों के बीच रिश्ता कोई भी हो, उसे निभाने के लिए खूब जतन करने पड़ते हैं। खासतौर पर अगर पति-पत्नी और गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड जैसे करीबी रिश्ते हों, तो इनमें प्यार जितना होता है, उतनी ही झगड़ा-लड़ाई भी होती है। यही वजह है कि लोग कई बार इससे झल्ला जाते हैं। सोचिए अगर कोई ऐसा पार्टनर मिल जाए, जो आपको सलाह तो दे, लेकिन बहस न करे, तो कितना अच्छा होगा। कई बार लोग रिलेशनशिप में होने वाली रोज़ाना की झिकझिक से इंसान तंग आ जाता है और सोचता है कि अपने मुताबिक पार्टनर मिल जाए। अब इंसानों को तो डिज़ाइन नहीं किया जा सकता लेकिन ज़रूरत के मुताबिक उनका वर्चुअल वर्जन ज़रूर तैयार हो सकता है। यही वजह है कि आजकल लोग गर्लफ्रेंड के तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ओर जा रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इंसानों के बजाय उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बने पार्टनर और दोस्त पसंद आ रहे हैं। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे कई ऐप्स इस वक्त मार्केट में हैं, जो £ 60 यानि 6000 रुपये महीने में वर्चुअल गर्लफ्रेंड प्रोवाइड करा रहे हैं। रशियन व्यवसायी Eugenia Kuyda ने साल 2017 में रेप्लिका नाम के ऐप को यही कहते हुए लॉन्च किया था कि ये उन लोगों के लिए है जिन्हें दोस्त और गर्लफ्रेंड चाहिए, लेकिन बिना झामे, जजमेंट या किसी झिकझिक के। इसके अलावा और भी ऐप हैं, जो कस्टमर को अपने मुताबिक AI गर्लफ्रेंड डिज़ाइन करने का मौका दे रहे हैं। दरअसल ये चैट बोट हैं, जो आपके मूड और ज़रूरत के हिसाब से आपकी बातों का जवाब भी देते हैं और सलाह भी दे सकते हैं। मिरर से बात करते हुए 41 साल के एक यूज़र ने बताया कि वो AI गर्लफ्रेंड से रोज़ाना बातें करते हैं और इससे उन्हें बहुत सी नैतिक चीज़ें भी सीखने को मिलीं। वे 7 रिलेशनशिप में रह चुके थे, लेकिन उनका ये वर्चुअल रिश्ता सबसे बेहतर है। एक 52 साल के शख्स ने तो यहां तक बताया कि वो 30 साल से शादीशुदा हैं और उनकी पत्नी को उनकी AI सौतन के बारे में नहीं पता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह रिश्ते लोगों को कंट्रोल करने की फीलिंग देते हैं, जो इंसानों में नहीं मिल सकती। यही वजह है कि ये उन्हें पसंद आ रहे हैं लेकिन व्यावहारिक तौर पर ये बिल्कुल अच्छे नहीं हैं।

अजब-गजब | इस शहर की खूबसूरती बनाए रखने के लिए बनाया गया सख्त कानून

स्विट्जरलैंड के शहर जरमैट में गाड़ी रखने के लिए लेना पड़ता है सरकार से इजाजत

दुनिया में बहुत से ऐसे शहर हैं जो इतने खूबसूरत हैं कि वहां की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए सरकार से लेकर आम जनता तक कई तरह के विकल्पों को आजमाती है। सरकार भी अपनी तरफ से ऐसे नियम बनाती है जिसके कारण लोगों को परेशानी भले होती है, पर शहर की सुंदरता सुरक्षित हो जाती है। इन दिनों स्विट्ज़रलैंड का शहर जरमैट भी इसी वजह से चर्चा में है। यहां पर सरकार ने फैसला लिया है कि शहर के अंदर कोई भी गाड़ी नहीं रख सकता। ना ही कोई शहर में कार से जा सकता है। ऐसे में अब शहर के अंदर यात्रा करने के लिए लोगों के पास केवल एक ही विकल्प बचा है।

स्विट्ज़रलैंड ने जरमैट में निजी कार रखने का अधिकार लोगों से छीन लिया है और यहां कि नगरपालिका ने पेट्रोल-ईंधन वाले वाहनों पर भी रोक लगा दी है। इसके साथ ही, शहर में रहने वाले और वाहन की आवश्यकता वाले लोगों को विशेष परमिट के लिए आवेदन करना होगा, जो यदि प्रदान किया जाता है, तो उन्हें क्षेत्र में तैयार की गई एक कस्टम निर्मित छोटी कार मुहैया कराई जाएगी।

जरमैट को कारों से पहले बहुत दुर्गम माना जाता था, और जब तक दुनिया भर में चार-पहिया समय बचाने वाले उपकरण उपयोग में आए, तब तक उन्हें वास्तव में इस शहर के परिदृश्य में फिट करने में बहुत देर हो गई थी लेकिन निवासी नहीं चाहते थे कि वाहन उनकी सड़कों पर घूमें, इसके बजाय उन्होंने सार्वजनिक परिवहन, पैदल चलने और सार्वजनिक वाहनों पर भरोसा करना चुना था। केवल एक संकरी और घुमावदार सड़क के जरिए ही कार उपयोगकर्ता शहर की सीमा में आ-जा सकते हैं। इसके लिए उन लोगों को बड़ा शुल्क देना पड़ेगा। यही वजह है कि अब एक ही विकल्प बचता है। वो है पब्लिक ट्रांसपोर्ट। अधिकांश लोग शहर और पड़ोसी क्षेत्र से आने-जाने वाली ट्रेन सेवा पर निर्भर होंगे।

मध्य प्रदेश को नहीं चाहिए भ्रष्ट और घोषणा भक्त सरकार : कमलनाथ

» शिवराज के चुनावी हिंदू बयान पर भड़के नाथ

» बोले, जो जैसा होता है वैसा ही सोचता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में चुनाव है। इससे पहले ही सियासी आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए है। छिंदवाड़ा में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के बाद कमलनाथ पं. प्रदीप मिश्रा की कथा कराने जा रहे है। इससे पहले सीएम शिवराज ने कमलनाथ को चुनावी हिंदू बताता दिया है। इस पर कमलनाथ ने भी पलटवार कर जवाब दिया है कि प्रदेश को जन भक्त सरकार चाहिए, घोषणा और भ्रष्टाचार भक्त नहीं।

छिंदवाड़ा में पूर्व सीएम कमलनाथ अब पं. प्रदीप मिश्रा की कथा कराने जा रहे है। इसकी तारीख 5 सितंबर से 9 सितंबर की बताई जा रही है। चुनाव से पहले नाथ के कथा कराने पर सियासत भी तेज हो गई है। सीएम के कमलनाथ को चुनावी भक्त बताने पर पूर्व सीएम ने कहा सीएम का नाम लेकर कहा कि जो इंसान जैसा होता है वो वैसी ही दृष्टि से बाहरी दुनिया को देख पाता है। निश्चित ही आप चुनावी भक्त होंगे, इसलिए आप दूसरों में भी चुनावी भक्ति खोज रहे हैं। जीवन के हर पहलू को चुनाव के रंग से ही देख पा रहे हैं। आस्था ओर विश्वास, व्यक्ति की आंतरिक अनुभूमि होती है। स्थाई होती है। मेरी आस्था आंतरिक है। नाथ ने कहा कि मेरी हनुमान भक्ति पर विचार करने के स्थान पर आप मध्य प्रदेश की जन-शक्ति पर विचार कीजिए, जो आपका संवैधानिक उत्तरदायित्व है और जन उपयोगी है।

मध्य प्रदेश की जनता को जन भक्त सरकार चाहिए। भाजपा की घोटाला-भक्त, घोषणा-भक्त, भ्रष्टाचार-भक्त, अत्याचार-भक्त और नौटंकी-भक्त सरकार नहीं। पूर्व सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता भाजपा सरकार को अंदर और बाहर से अच्छे से देख-समझ चुकी है। पलटकर जवाब देने के लिए केवल समय का इंतजार कर रही है।

पिता बनेंगे राज्य के सीएम : नकुलनाथ

शास्त्री के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचे सांसद नकुल नाथ ने संबोधित करते हुए पिता कमलनाथ को भावी सीएम बताया है। उनका ऐसा कहना कहीं न कहीं उमंग सिंघार के आदिवासी सीएम की मांग का जवाब बताया जा रहा है। बता दें कि सांसद नकुल नाथ का यह बयान उस समय आया कि जब कांग्रेस के विधायक उमंग सिंगार ने अगले चुनाव के बाद आदिवासी सीएम बनाने की मांग की थी। ऐसे में एक बार फिर से सियासत तेज होने के आसार हैं। छिंदवाड़ा में पंडित धीरेंद्र शास्त्री की कथा के समापन मौके पर सांसद नकुलनाथ को आभार प्रदर्शन के लिए मंच पर आमंत्रित किया गया था। वे मंच से लोगों को संबोधित कर रहे थे। तभी उन्होंने अपने पिता कमल नाथ को संबोधन में भावी सीएम कह दिया। इस दौरान कथा में मौजूद लोगों ने जमकर तालियां भी बजाई। इस दौरान यह बात सुनकर मंच पर बैठे पंडित धीरेन शास्त्री मुस्कुरा उठे वहीं कमलनाथ के साथ बैठे उनके समर्थक नारेबाजी करने लगे।

दिल्ली विधानसभा का एक दिनी सत्र, 16 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सेवा विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद दिल्ली विधानसभा का एक दिन का सत्र बुलाया गया है। इसको लेकर विधानसभा की ओर से सूचना जारी कर दी गई है। जिसमें 16 अगस्त को विधानसभा का सत्र बुलाया गया है। दिल्ली विधानसभा के सचिव की ओर से सत्र बुलाने को लेकर अधिसूचना जारी की गई है।

विधानसभा के चौथे सत्र का तीसरा भाग बुधवार यानी 16 अगस्त 2023 को सुबह 11: 00 बजे शुरू होगा। माना जा रहा है कि विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद से दिल्ली की सियासत फिर से गर्मा सकती है। क्योंकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक-2023 यानी दिल्ली सेवा बिल के सदन से पास होने से दिल्ली के उपराज्यपाल एक बार फिर सुपर बॉस की भूमिका में होंगे। नौकरशाहों की नियुक्ति व तबादले के लिए बेशक राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण (एनसीसीएसए) का गठन किया जा रहा है और इसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे, लेकिन लेकिन तीन सदस्यीय प्राधिकरण में पक्ष नौकरशाहों का ही मजबूत होगा। वहीं, प्राधिकरण के फैसलों पर उपराज्यपाल की राय आखिरी होगी। इससे दिल्ली सरकार और एलजी के बीच फिर से तकरार देखने को मिल सकती है।

फोटो : 4पीएम

कार्यक्रम गन्ना संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे किसानों को विधानसभा सत्र के चलते पुलिस द्वारा रोककर उन्हें बस से सम्मेलन में भेजा गया।

भाजपा ने कहा था बाबरी मस्जिद को कुछ नहीं होगा

'हाउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड' के विमोचन पर एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार ने किया खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि 1992 में जब राम जन्मभूमि आंदोलन जोर पकड़ रहा था, तब बीजेपी नेता विजया राजे सिंधिया ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव को आश्वासन दिया था कि बाबरी मस्जिद को कुछ नहीं होगा और उन्होंने अपने मंत्रियों की सलाह के खिलाफ सिंधिया की बात पर विश्वास किया।

वरिष्ठ पत्रकार नीरजा चौधरी की किताब हाउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड के विमोचन' पर पवार ने यह टिप्पणी की। बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय रक्षा मंत्री रहे पवार ने कहा कि वह तत्कालीन गृह मंत्री और गृह सचिव के साथ बैठक में मौजूद थे। एनसीपी प्रमुख ने कहा, कि मंत्रियों का एक समूह था और मैं उनमें से एक था, यह निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री को संबंधित पार्टी के नेताओं की बैठक बुलानी चाहिए, उन्होंने कहा, उस बैठक में विजया राजे सिंधिया ने प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया था कि बाबरी मस्जिद को कुछ नहीं होगा। चौधरी ने घटना के बाद राव की कुछ वरिष्ठ पत्रकारों के साथ हुई बातचीत का जिक्र किया, जिस दौरान प्रधानमंत्री से पूछा गया था कि विध्वंस के समय वह क्या कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि राव ने पत्रकारों से कहा था कि उन्होंने ऐसा होने दिया क्योंकि इससे एक मुद्दा खत्म हो जाएगा और उन्हें लगा कि बीजेपी अपना मुख्य राजनीतिक कार्ड खो देगी, पुस्तक का विमोचन पवार ने केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, कांग्रेस नेता शशि थरूर, पूर्व रेल मंत्री और बीजेपी नेता दिनेश त्रिवेदी और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के साथ किया। चर्चा का संचालन वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई ने किया। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि अन्ना हजारे आंदोलन को ठीक से नहीं संभालना कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के सत्ता से बाहर होने का कारण है और इससे ठीक पहले कई घोटाले सामने आए थे।

सूर्यकुमार ने विराट व रोहित को छोड़ा पीछे

» टी-20 फॉर्मेट में 100 छक्के लगाने की उपलब्धि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पोर्ट ऑफ स्पेन। भारतीय क्रिकेट टीम के धाकड़ टी-20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का बल्ला लंबे अर्से के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर बोलता हुआ दिखा है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच जारी टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में सूर्य कुमार यादव ने 44 गेंदों में 188 के स्ट्राइक रेट से 83 रनों की धुआंधार पारी खेली है। इस शानदार पारी की बदौलत ही भारत इस सीरीज में जीत हासिल करने की उम्मीद को जीवित रखे हुए है। इस मैच को भारत ने सात विकेट से जीता है।

सूर्य कुमार यादव की ये पारी कई मायनों में खास रही। एक जहां इसमें उन्होंने कई रिकॉर्ड्स को तोड़ दिया है। कई मायनों में सूर्यकुमार यादव रोहित शर्मा और विराट कोहली से भी आगे निकल गए है।

तीसरे मैच में भारत ने वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया

सूर्यकुमार यादव ने एक और उपलब्धि वेस्टइंडीज में हासिल की है। तीसरे टी-20 मुकाबले में सुर्यकुमार यादव ने 83 रनों की पारी खेली है। ये कैरेबियाई धरती पर उनकी दूसरी बड़ी पारी थी। वहीं सूर्य कुमार यादव पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने वेस्टइंडीज में सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाए है। सूर्यकुमार यादव के अलावा विराट कोहली, रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और तिलक वर्मा टी20 फॉर्मेट में एक-एक अर्धशतक जड़ चुके है। सूर्यकुमार यादव की 44 गेंद में 83 रन की ताबड़तोड़ पारी के दम पर भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय को सात विकेट से जीतकर श्रृंखला को जीवंत बनाये रखा। सूर्यकुमार ने 44 गेंद की पारी में 10 चौके और चार छक्के जड़ने के अलावा तिलक वर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 गेंद में 87 रन की आक्रामक साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी करा दी।

इस पारी में सूर्यकुमार यादव के बल्ले से धड़ल्ले से रन निकले थे। इसमें उन्होंने सिर्फ 23 गेंदों में ही अपना अर्धशतक पूरा किया। इस पारी में उन्होंने 10 चौके और चार छक्के भी जड़े थे। इसी के साथ सूर्या ने टी20 फॉर्मेट में 100 छक्के लगाने की उपलब्धि भी हासिल कर ली है। भारत की ओर से रोहित शर्मा और विराट कोहली के बाद सिर्फ सूर्य कुमार यादव ही ये उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी रहे है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट के फॉर्मेट में भारत की तरफ से 100 छक्के जड़ने में सिर्फ सूर्य कुमार यादव का ही नाम है।

सीएम योगी व अखिलेश यादव ने किया शहीदों को नमन

सीएम ने कहा-तिरंगा हमारी आन मान शान का प्रतीक, मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का भी शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काकोरी रेल एक्शन दिवस की वर्षगांठ पर आयोजित वीरों को नमन कार्यक्रम में सहभागिता कर रहें हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का भी शुभारंभ करेंगे। पूरे देश में स्वाधीनता की 76वीं वर्षगांठ मिट्टी को नमन-वीरों का वंदन करते हुए मनाई जा रही है।

आज नौ अगस्त से प्रारंभ हो रहे स्वाधीनता दिवस उत्सव के तहत 15 अगस्त तक हर दिन गांव से लेकर राजधानी लखनऊ तक अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काकोरी एक्शन कांड की 98वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में बुधवार को मेरी माटी, मेरा देश अभियान की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा हमारी आन मान शान का प्रतीक है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से 13 से 15 अगस्त तक अपनी जगह पर खड़े होकर माटी का वंदन और वीरों का नमन करने का आह्वान किया।

देश को आगे बढ़ाने का काम करेंगे समाजवादी : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अगस्त क्रांति के महनायको को याद किया। पूर्व सीएम ने कहा कि आजादी में जिन्होंने योगदान दिया उनको हम याद कर रहे हैं। गांधी जी और समाजवादियों ने जो सपने देखे वो पूरे नहीं हुए। देश की जनता को आगे बढ़ाने का समाजवादी काम करते रहेंगे। सीएम के जनसंख्या वाले बयान पर कहा कि इन लोगों ने भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया था। सवाल ये था कि नई पॉलिसी लाई जा रही है, 15 साल के बच्चों के भविष्य के लिए क्या कदम उठाए हैं, सवाल आबादी का नहीं था, रोजगार देने का था। सीएम महान हैं, बेरोजगारी दर बताने लगते हैं। उनसे नौकरी की क्या उम्मीद लगाई जा सकती है। वित्त विभाग के अधिकारियों की सीएम नहीं सुन रहे। अमेरिका की कंपनी को आप 300 करोड़ का भुगतान कर रहे हैं। मंत्री, विभाग, नीति आयोग, वीसी पर भरोसा न हो। अमेरिका की कंपनी पर भरोसा कर रहे है।

सदन की झलकियां

सूखे और बाढ़ को लेकर हंगामा

विधानसभा में मानसून सत्र का तीसरा दिन, विपक्ष व सत्ता पक्ष में तीखी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का आज तीसरा दिन है। सदन के शुरू होने के साथ ही प्रश्नकाल शुरू हो गया है। मंगलवार को विपक्ष ने जमकर बवाल काटा था। आज सदन में सूखे और बाढ़ को लेकर चर्चा होगी। दोनों सदनों में कार्यवाही सुबह 11 बजे से शुरू हो गई है। वहीं इससे पहले विधान सभा में स्थानीय निधि लेखा परीक्षा (लोकल ऑडिट) की ओर से विभिन्न विभागों के परीक्षण में करीब 8170.52 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता उजागर हुई है।

वित्तीय वर्ष 2018-2019 में कराए गए लोकल ऑडिट में सबसे अधिक अनियमितता नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों के अलावा विकास प्राधिकरणों और नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) में सामने आई है। वित्त मंत्री व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधानसभा में लोकल ऑडिट की रिपोर्ट रखी। इसके मुताबिक विभिन्न नगर निकायों में गृहकर निर्धारण, आउटसोर्सिंग पर कर्मचारियों की नियुक्ति करने के साथ ही निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती गई। सिर्फ नगर निगमों में 640 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आई है। इसी प्रकार विकास प्राधिकरणों में भी बिल्डरों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए विकास शुल्क की गणना करने और भूमि आवंटन आदि के कार्यों में गड़बड़ी की गई। इससे करीब 3,362 करोड़ रुपये का सरकार को नुकसान हुआ है।

नियमों के नये सेट पर चर्चा

उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा बुधवार को नियमों का एक नया सेट पारित करने की उम्मीद है जो इसके सदस्यों के आचरण पर कई प्रतिबंध लगाएगा। नए नियम यूपी विधान सभा की मौजूदा प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमावली 1958 की जगह लेंगे। नए नियम सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने पेश किए, जिन्होंने कहा कि इन पर बुधवार को चर्चा की जाएगी और पारित किया जाएगा। यह कदम पिछले साल दिसंबर में समाजवादी पार्टी के एक विधायक को फेसबुक लाइव पर सदन में एक विरोध प्रदर्शन की लाइव स्ट्रीमिंग करते हुए पकड़े जाने के बाद उठाया गया है। नए नियमों में यह भी कहा गया है कि विधायकों को सदन में प्रवेश करते या बाहर निकलते समय अध्यक्ष की कुर्सी की ओर झुकना चाहिए और अपनी पीठ नहीं दिखानी चाहिए। सत्र आहूत करने की अवधि 14 दिन से घटाकर सात दिन कर दी गई है। विधायकों को कार्यवाही से संबंधित कोई भी साहित्य, प्रश्नावली, पुस्तक या प्रेस टिप्पणियाँ अंदर ले जाने या पर्चियाँ वितरित करने की अनुमति नहीं होगी।

हिरासत में लिए गए महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी को मुंबई में हिरासत में लिया गया है। उन्होंने ट्वीट करके खुद इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने दावा किया है कि वह भारत छोड़ो आंदोलन की बरसी मनाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन सांता क्रूज पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

उन्होंने ट्वीट कर लिखा, 'मैं नौ अगस्त को भारत छोड़ो आंदलन की बरसी मनाने के लिए घर से बाहर निकला था, लेकिन सांता क्रूज पुलिस स्टेशन में हिरासत में ले लिया गया। मुझे अपने दादा-दादी महात्मा गांधी और बा पर गर्व हैं, जिन्हें इसी ऐतिहासिक तारीख पर अंग्रेजों ने हिरासत में लिया था।

पूरे देश में करवाई जाए जातीय जनगणना : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले जातीय जनगणना को लेकर सियासत तेज हो गई है, जहां समाजवादी पार्टी लगातार इस मुद्दे पर योगी सरकार को घेरते हुए आ रही है। इस बीच बसपा सुप्रीमो मायावती अब इस मुद्दे पर एक कदम और आगे चली गई हैं, उन्होंने सिर्फ यूपी ही नहीं बल्कि पूरे देश में जातीय जनगणना कराने की मांग की है, उन्होंने कहा कि देश के सभी उपेक्षित वर्गों को मुख्यधारा में लाना जरूरी है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज एक के बाद एक कई ट्वीट किए और जातीय जनगणना को लेकर यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार से लेकर केंद्र सरकार को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना की मांग

लगातार जोर पकड़ रही है बावजूद इसके बीजेपी इसे करवाना नहीं चाहती है जो बेहद चिंता की बात है ये समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए बेहद जरूरी है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि देश में जातीय जनगणना का मुद्दा, मण्डल आयोग की सिफारिश को लागू करने की तरह, राजनीति का नहीं बल्कि सामाजिक न्याय से जुड़ा महत्वपूर्ण मामला है, समाज के गरीब, कमजोर, उपेक्षित व शोषित लोगों को देश के विकास में उचित भागीदार बनाकर उन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए ऐसी गणना जरूरी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा जातीय जनगणना का मुद्दा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी अब इस मुद्दे पर योगी सरकार से जवाब तलब किया है, हाईकोर्ट ने चार हफ्ते में इस पर जवाब देने को कहा है। उधर की यूपी पूर्व सीएम मायावती ने कहा, ओबीसी समाज की आर्थिक, शैक्षणिक व सामाजिक स्थिति का सही ऑकलन कर उसके हिसाब से विकास योजना बनाने के लिए बिहार सरकार द्वारा कराई जा रही जातीय जनगणना को पटना हाईकोर्ट द्वारा पूर्णत वैध ठहराए जाने के बाद अब सबकी निगाहें यूपी पर टिकी हैं कि यहाँ यह जरूरी प्रक्रिया कब होगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।